चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	7.9.21	9	3-8

तैयारी

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 8 और 9 सितंबर को होगा कृषि मेले का आयोजन

कृषि मेले में उन्नत किस्मों का 9 हजार क्विंटल बीज रहेगा उपलब्ध

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो साल बाद आयोजित होने वाले ऑफलाइन कृषि मेले (रबी) के दौरान किसानों को विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों के बीज उपलब्ध करवाए जाएंगे। मेले में बिक्री के लिए विश्वविद्यालय के पास विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों का करीब 9 हजार क्विंटल बीज उपलब्ध है।

इसके अलावा विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई सब्जियों के बीज भी उपलब्ध करवाए जाएंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने मेले के सफल आयोजन के लिए अधिकारियों की बैठक कर दिशा-निर्देश दिए। किसानों के हित के लिए उनकी मांग पर विश्वविद्यालय द्वारा दो वर्ष बाद कृषि मेले का आयोजन परंपरागत तरीके से ऑफलाइन किया जा रहा है।

मौके पर मिलेंगे फलदार पौधे : मेले के दौरान किसानों को विभिन्न फसलों व सब्जियों की उन्नत किस्मों के बीजों के अलावा फलदार पौधे भी बिक्री किए जाते हैं। किसानों की सुविधा के लिए मेला ग्राउंड में ही फलदार पौधों की ट्रॉली खड़ी की जाएगी, ताकि किसानों को पौधे लेने के लिए मेला ग्राउंड से दूर विश्वविद्यालय के फार्म पर न जाना पड़े। इस बार मेले में अमरूद, बेर, आंवला, करोंदा, अंगूर, आड़ू व अनार के पौधे दिए जाएंगे। इस कृषि मेले में कोई भी किसान शामिल हो सकता है।

इन फसलों और सब्जियों के मिलेंगे बीज, जिन्हें खरीद सकते हैं किसान

किसानों को मेले के दौरान रामधन सिंह सीड फार्म, फार्म निदेशालय व मेला ग्राउंड के प्रवेश द्वार स्थित बीज बिक्री केंद्र पर बीजों की बिक्री की जाएगी। इस दौरान गेहूं की किस्मों डब्ल्यूएच-711, डब्ल्यूएच-1105, डब्ल्यूएच-1124, डब्ल्यूएच-1142, डब्ल्यूएच-1184, सी-306, पीबीडब्ल्यू-725, एचडी-2967, एचडी-3086, एचडी-3226, डीबीडब्ल्यू-303, डीबीडब्ल्यू-187 का बीज उपलब्ध है। जौ की किस्मों बीएच-393, बीएच-946 और सरसों की किस्मों आरएच-30, आरएच-725, आरएच-749, आरएच-761 और आरएच-406 का बीज उपलब्ध रहेगा। चने की किस्मों एचसी-1, एचसी-5, एचसी-7, सीएसजे-515 और सीएनजी-1581, बरसीम का एचबी-1, मास्कवी, एचबी-2 और जई का एचजे-8 व केंट उपलब्ध होगा। सब्जियों में गाजर, मूली, टमाटर, पालक, बैंगन, मटर, मेथी, धनिया, प्याज, शलजम का बीज उपलब्ध रहेगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	7.9.21	9	4-8

हकृवि में दो दिवसीय ऑफलाइन कृषि मेला कल से

उन्नत किस्मों का 9000 क्विंटल बीज उपलब्ध

- मेले में किसानों को नहीं रहेगी बीज की कमी : प्रो. काम्बोज
- सफलतापूर्व आयोजन के लिए बैठक में कुलपति ने दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो साल बाद आयोजित होने वाले ऑफलाइन कृषि मेला(रबी) के दौरान किसानों को विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों के बीज उपलब्ध करवाए जाएंगे। मेले में बिक्री के लिए विश्वविद्यालय के पास विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों का करीब 9000 क्विंटल बीज उपलब्ध है जो किसानों को मुहैया करवाया जाएगा। इसके अलावा विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई सब्जियों के बीज भी उपलब्ध करवाए जाएंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने मेले के सफल आयोजन के लिए अधिकारियों की बैठक आयोजित कर दिशा-निर्देश दिए। किसानों के हित के लिए उनकी मांग पर विश्वविद्यालय द्वारा दो वर्ष बाद कृषि मेले का आयोजन परम्परागत तरीके से ऑफलाइन किया जा रहा है ताकि किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज व आधुनिक तकनीक मिल सकें। कुलपति ने बताया कि मेले के दौरान राज्य व केंद्र सरकार की ओर से कोरोना महामारी को लेकर जारी सभी हिदायतों का सख्ती से पालन किया जाएगा।

तैयारियों को दिया जा रहा अंतिम रूप

किसान मेले को लेकर विश्वविद्यालय की ओर से तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है और कमेटियों का गठन कर दिया गया है। मेले के दौरान विश्वविद्यालय के लगभग सभी महाविद्यालयों की ओर से प्रदर्शनी लगाई जाएंगी और विभिन्न फसलों की विकसित किस्मों और तकनीकों की जानकारी दी जाएगी। साथ ही प्रश्नोत्तरी सत्र भी आयोजित किया जाएगा जिसमें किसान अपनी फसल संबंधी समस्याओं का बेहतरीन तरीके से समाधान हासिल कर सकेंगी।

इन फसलों के बीज

किसानों को मेले के दौरान रामधन सिंह सीड फार्म, फार्म निदेशालय व मेला ग्राउंड के प्रवेश द्वारा स्थित बीज बिक्री केंद्र पर बीजों की बिक्री की जाएगी। गेहूं, जौ व चना की किस्मों के अलावा सब्जियों में गाजर, मूली, टमाटर, पालक, बैंगन, मटर, मेथी, धनिया, प्याज, शलजम का बीज उपलब्ध रहेगा। मेले के दौरान किसानों को विभिन्न फसलों व सब्जियों की उन्नत बीजों के अलावा फलदार पौधे भी बिक्री किए जाते हैं। इस बार अमरूद, बेरी, आंवला, करोंदा, अंगूर, आड़ू तथा अनार के पौधे दिए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	1.9.21	5	3-6

कृषि मेले में नहीं आएगी बीज की कमी नौ हजार क्विंटल बीज कराया उपलब्ध

दो साल बाद आठ और नौ सितंबर को आफलाइन कृषि मेला (रबी) आयोजित होगा

जागरण संवाददाता, हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो साल बाद आयोजित होने वाले आफलाइन कृषि मेले के दौरान किसानों को विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों के बीज उपलब्ध करवाए जाएंगे। मेले में बिक्री के लिए विश्वविद्यालय के पास विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों का करीब नौ हजार क्विंटल बीज उपलब्ध है जो किसानों को मुहैया करवाया जाएगा। इसके अलावा विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई सब्जियों के बीज भी उपलब्ध करवाए जाएंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने मेले के सफल आयोजन के लिए अधिकारियों की बैठक आयोजित कर दिशा-निर्देश दिए। किसानों के हित के लिए उनकी मांग पर विश्वविद्यालय द्वारा दो वर्ष बाद कृषि मेले का आयोजन परम्परागत तरीके से आफलाइन किया जा रहा है ताकि किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज व आधुनिक तकनीक मिल सकें।

अन्य प्रदेश के किसानों के लिए भी महत्वपूर्ण है कृषि मेला: कुलपति ने बताया कि न केवल प्रदेश बल्कि अन्य प्रदेशों के किसानों को भी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किए जाने वाले मेले का इंतजार रहता है। वे भारी तादाद में इसमें हिस्सा लेते हैं। मेले के दौरान राज्य व केंद्र सरकार की ओर से कोरोना महामारी को लेकर जारी सभी हिदायतों का सख्ती से पालन किया जाएगा। किसानों को किसी प्रकार की मेले के दौरान असुविधा न हो इसके लिए कमेटियों का गठन किया गया है जो किसानों को जागरूक करने के साथसमस्याओं का समाधान भी करेंगी।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर कांबोज बैठक के दौरान अधिकारियों को दिशा-निर्देश देते हुए। • पीआरओ

तैयारियों को दिया जा रहा अंतिम रूप

किसान मेले को सफल बनाने के लिए विश्वविद्यालय की ओर से तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है और कमेटियों का गठन कर दिया गया है। मेले के दौरान विश्वविद्यालय के लगभग सभी महाविद्यालयों की ओर से प्रदर्शनी लगाई जाएगी। विभिन्न फसलों की विकसित किस्मों की जानकारी दी जाएगी। इसके साथ ही प्रश्नोत्तरी सत्र भी आयोजित किया जाएगा। किसान अपनी फसल संबंधी समस्याओं का समाधान जान सकेंगे।

किसानों की सुविधा के लिए फलदार पौधों की मौके पर खड़ी होगी ट्राली

मेले के दौरान किसानों को विभिन्न फसलों व सब्जियों की उन्नत किस्मों के बीजों के अलावा फलदार पौधे भी बिक्री किए जाते हैं। किसानों की सुविधा के लिए मेला ग्राउंड में ही फलदार पौधों की ट्राली खड़ी की जाएगी ताकि किसानों को पौधे लेने के लिए मेला ग्राउंड से दूर विश्वविद्यालय के फार्म पर न जाना पड़े। इस बार मेले में अमरूद, बेरी, आंवला, आड़ू व अनार के पौधे दिए जाएंगे। मेले के दौरान रामधन सिंह सीड फार्म, फार्म निदेशालय व मेला ग्राउंड के प्रवेश द्वार स्थित केंद्र पर बीजों की बिक्री की जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	7.9.21	5	7-8

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज बैठक के दौरान अधिकारियों को दिशा-निर्देश देते हुए।

एचएयू कृषि मेले में किसानों को नहीं रहेगी बीज की कमी, उन्नत किस्मों का लगभग 9000 क्विंटल बीज उपलब्ध : प्रो. काम्बोज

हिसार, 6 सितंबर (देवानंद सोनी): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो साल बाद आयोजित होने वाले ऑफलाइन कृषि मेला (रबी) के दौरान किसानों को विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों के बीज उपलब्ध करवाए जाएंगे। मेले में बिक्री के लिए विश्वविद्यालय के पास विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों का करीब 9000 क्विंटल बीज उपलब्ध है जो किसानों को मुहैया करवाया जाएगा। इसके अलावा विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई सब्जियों के बीज भी उपलब्ध करवाए जाएंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने मेले के सफल आयोजन के लिए अधिकारियों की बैठक आयोजित कर दिशा-निर्देश दिए। किसानों के हित के लिए उनकी मांग पर विश्वविद्यालय द्वारा दो वर्ष बाद कृषि मेले का आयोजन परंपरागत तरीके से ऑफलाइन किया जा रहा है ताकि किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज व आधुनिक तकनीक मिल सकें। कुलपति ने बताया कि न केवल प्रदेश बल्कि अन्य प्रदेशों के किसानों को भी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किए जाने वाले मेले का इंतजार रहता है और वे भारी तादाद में इसमें हिस्सा लेते हैं। मेले के दौरान राज्य व केंद्र सरकार की ओर से कोरोना महामारी को लेकर जारी सभी हिदायतों का सख्ती से पालन किया जाएगा। किसानों को किसी प्रकार की मेले के दौरान असुविधा न हो इसके लिए कमेटियों का गठन किया गया है जो किसानों को जागरूक करने के साथ-साथ उनकी समस्याओं का समाधान भी करेंगी।

5

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	7-9-21	4	1-2

बैठक के दौरान अधिकारियों को दिशा-निर्देश देते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफैसर बी.आर. काम्बोज।

'कृषि मेले को लेकर दिए दिशा-निर्देश'

हिसार, 6 सितम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो साल बाद आयोजित होने वाले ऑफलाइन कृषि मेला (रबी) के दौरान किसानों को विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों के बीज उपलब्ध करवाए जाएंगे। मेले में बिक्री के लिए विश्वविद्यालय के पास विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों का करीब 9000 क्विंटल बीज उपलब्ध है, जो किसानों को मुहैया करवाया जाएगा।

इसके अलावा विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई सब्जियों के बीज भी उपलब्ध करवाए जाएंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने मेले के सफल आयोजन के लिए अधिकारियों की बैठक आयोजित कर दिशा-निर्देश दिए। किसानों के हित के लिए उनकी मांग पर विश्वविद्यालय द्वारा दो वर्ष बाद कृषि मेले का आयोजन परम्परागत तरीके से ऑफलाइन किया जा रहा है ताकि किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज व आधुनिक तकनीक मिल सकें। किसान मेले को सफल बनाने के लिए विश्वविद्यालय की ओर से तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है और कमेटियों का गठन कर दिया गया है।

मेले के दौरान विश्वविद्यालय के लगभग सभी महाविद्यालयों की ओर से प्रदर्शनी लगाई जाएंगी और विभिन्न फसलों की विकसित किस्मों और तकनीकों की जानकारी दी जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	7-9-21	2	6-7

एचएयू कृषि मेले में नहीं रहेगी बीज की कमी, उन्नत किस्मों के 9000 क्विंटल बीज उपलब्ध

हिसार | एचएयू में दो साल बाद आयोजित होने वाले ऑफलाइन कृषि मेला (रबी) के दौरान किसानों को विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों के बीज उपलब्ध करवाए जाएंगे। मेले में बिक्री के लिए विश्वविद्यालय के पास विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों का करीब 9000 क्विंटल बीज उपलब्ध है जोकि किसानों को मुहैया करवाया जाएगा। इसके अलावा एचएयू द्वारा विकसित की गई सब्जियों के बीज भी उपलब्ध करवाए जाएंगे।

एचएयू के वीसी प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने मेले के सफल आयोजन के लिए अधिकारियों की बैठक लेकर दिशा-निर्देश दिए। वीसी ने बताया कि कमेटियों का गठन किया गया है जो किसानों को जागरूक करने के साथ-साथ उनकी समस्याओं का समाधान भी करेंगी। मेले के दौरान विश्वविद्यालय के लगभग सभी महाविद्यालयों की ओर से प्रदर्शनी लगाई जाएंगी और विभिन्न फसलों की विकसित किस्मों और तकनीकों की जानकारी दी जाएगी। साथ ही प्रश्नोत्तरी सत्र भी होगा जिसमें किसान अपनी फसल संबंधी समस्याओं का बेहतरीन तरीके से समाधान हासिल कर सकेंगी। किसानों को मेले के दौरान रामधन सिंह सीड फार्म, फार्म निदेशालय व मेला ग्राउंड के प्रवेश द्वारा स्थित बीज बिक्री केंद्र पर बीजों की बिक्री की जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे	06.09.2021	08	01-03

8 व 9 सितंबर को होगा ऑफलाइन कृषि मेला (रबी), सफलतापूर्व आयोजन के लिए बैठक में कुलपति ने दिए-दिशा निर्देश

एचएयू कृषि मेले में किसानों को नहीं रहेगी बीज की कमी, उन्नत किस्मों का लगभग 9000 क्विंटल बीज उपलब्ध : प्रो. काम्बोज

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो साल बाद आयोजित होने वाले ऑफलाइन कृषि मेला(रबी) के दौरान किसानों को विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों के बीज उपलब्ध करवाए जाएंगे। मेले में बिक्री के लिए विश्वविद्यालय के पास विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों का करीब 9000 क्विंटल बीज उपलब्ध है जो किसानों को मुहैया करवाया जाएगा। इसके अलावा विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई सब्जियों के बीज भी उपलब्ध करवाए जाएंगे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने मेले के सफल आयोजन के लिए अधिकारियों की बैठक आयोजित कर दिशा-निर्देश दिए। किसानों के हित के लिए उनकी मांग पर विश्वविद्यालय द्वारा दो वर्ष बाद कृषि मेले का आयोजन परम्परागत तरीके से ऑफलाइन किया जा रहा है ताकि किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज व आधुनिक तकनीक मिल सकें। कुलपति ने बताया कि न केवल प्रदेश बल्कि अन्य प्रदेशों के किसानों को भी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किए जाने वाले मेले का इंतजार रहता है और वे भारी तादाद में इसमें हिस्सा लेते हैं। मेले के दौरान राज्य व केंद्र सरकार की ओर से कोरोना महामारी को लेकर जारी सभी हिदायतों का सख्ती से पालन किया जाएगा। किसानों को किसी प्रकार की मेले के दौरान असुविधा न हो इसके लिए कमेटियों का गठन किया गया है जो किसानों को जागरूक करने के साथ-साथ उनकी समस्याओं का समाधान भी करेंगी।

तैयारियों को दिया जा रहा अंतिम रूप

किसान मेले को सफल बनाने के लिए विश्वविद्यालय की ओर से तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है और कमेटियों का गठन कर दिया गया है। मेले के दौरान विश्वविद्यालय के लगभग सभी महाविद्यालयों की ओर से प्रदर्शनी लगाई जाएंगी और विभिन्न फसलों की विकसित किस्मों और तकनीकों की जानकारी दी जाएगी। साथ ही प्रश्नोत्तरी सत्र भी आयोजित किया जाएगा जिसमें किसान अपनी फसल संबंधी समस्याओं का बेहतरीन तरीके से समाधान हासिल कर सकेंगे।

किसानों की सुविधा के लिए फलदार पौधों की मौके पर खड़ी होगी ट्राली

मेले के दौरान किसानों को विभिन्न फसलों व सब्जियों की उन्नत किस्मों के बीजों के अलावा फलदार पौधे भी बिक्री किए जाते हैं। किसानों की सुविधा के लिए मेला ग्राउंड में ही फलदार पौधों की ट्राली खड़ी की जाएगी ताकि किसानों को पौधे लेने के लिए मेला ग्राउंड से दूर विश्वविद्यालय के फार्म पर न जाना पड़े। इस बार मेले में अमरूद, बेरी, आंवला, करौंदा, अंगूर, आडू व अनार के पौधे दिए जाएंगे।

इन फसलों व सब्जियों के मिलेंगे बीज

किसानों को मेले के दौरान रामधन सिंह सीड फार्म, फार्म निदेशालय व मेला ग्राउंड के प्रवेश द्वार स्थित बीज बिक्री केंद्र पर बीजों की बिक्री की जाएगी। इस दौरान गेहूं की किस्मों डब्ल्यूएच-711, डब्ल्यूएच-1105, डब्ल्यूएच-1124, डब्ल्यूएच-1142, डब्ल्यूएच-1184, सी-306,पीबीडब्ल्यू-725, एचडी-2967, एचडी-3086,एचडी-3226,डीबीडब्ल्यू-303,डीबीडब्ल्यू-187 का बीज उपलब्ध है। जौ की किस्मों बीएच-393, बीएच-946 और सरसों की किस्मों आरएच-30, आरएच-725, आरएच-749, आरएच-761 और आरएच-406 का बीज उपलब्ध रहेगा। चने की किस्मों एचसी-1, एचसी-5, एचसी-7, सीएसजे-515 और सीएनजी-1581, बरसीम का एचबी-1, मास्कवी, एचबी-2 और जई का एचजे-8 व कैंट उपलब्ध होगा। सब्जियों में गाजर, मूली, टमाटर, पालक, बैंगन, मटर, मेथी, धनिया, प्याज, शलजम का बीज उपलब्ध रहेगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	06.09.2021	08	01-03

एचएयू कृषि मेले में किसानों को नहीं रहेगी बीज की कमीः कुलपति

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो साल बाद आयोजित होने वाले ऑफलाइन कृषि मेला(रबी) के दौरान किसानों को विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों के बीज उपलब्ध करवाए जाएंगे। मेले में बिक्री के लिए विश्वविद्यालय के पास विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों का करीब 9000 क्विंटल बीज उपलब्ध है जो किसानों को मुहैया करवाया जाएगा। इसके अलावा विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई सब्जियों के बीज भी उपलब्ध करवाए जाएंगे। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अधिकारियों की बैठक आयोजित कर दिशा-निर्देश दिए। मेले के दौरान किसानों को विभिन्न फसलों व सब्जियों की उन्नत किस्मों के बीजों के अलावा फलदार पौधे भी बिक्री किए जाते हैं।

किसानों को मेले के दौरान रामधन सिंह सीड फार्म, फार्म निदेशालय व मेला ग्राउंड के प्रवेश द्वारा स्थित बीज बिक्री केंद्र पर बीजों की बिक्री की जाएगी। इस दौरान गेहूं की किस्मों डब्ल्यूएच-711, डब्ल्यूएच-1105, डब्ल्यूएच-1124, डब्ल्यूएच-1142, डब्ल्यूएच-1184, सी-306,पीबीडबल्यू-725, एचडी-2967, एचडी-3086,एचडी-3226,डीबीडब्ल्यू-303,डीबीडब्ल्यू-187 का बीज उपलब्ध है। जौ की किस्मों बीएच-393, बीएच-946 और सरसों की किस्मों आरएच-30, आरएच-725, आरएच-749, आरएच-761 और आरएच-406 का बीज उपलब्ध रहेगा। चने की किस्मों एचसी-1, एचसी-5, एचसी-7, सीएसजे-515 और सीएनजी-1581, बरसीम का एचबी-1, मास्कवी, एचबी-2 और जई का एचजे-8 व कैंट उपलब्ध होगा। सब्जियों में गाजर, मूली, टमाटर, पालक, बैंगन, मटर, मेथी, धनिया, प्याज, शलजम का बीज उपलब्ध रहेगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरियाणा टुडे	06.09.2021	--	--

एचएयू कृषि मेले में किसानों को नहीं रहेगी बीज की कमीः प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

टुडे न्यूज़ । हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो साल बाद आयोजित होने वाले ऑफलाइन कृषि मेला(रबी) के दौरान किसानों को विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों के बीज उपलब्ध करवाए जाएंगे। मेले में बिक्री के लिए विश्वविद्यालय के पास विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों का करीब 9000 क्विंटल बीज उपलब्ध है जो किसानों को मुहैया करवाया जाएगा। इसके अलावा विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई सब्जियों के बीज भी उपलब्ध करवाए जाएंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने मेले के सफल आयोजन के लिए अधिकारियों की बैठक आयोजित कर दिशा-निर्देश दिए। किसानों के हित के लिए उनकी मांग पर विश्वविद्यालय द्वारा दो वर्ष बाद कृषि मेले का आयोजन परम्परागत तरीके से ऑफलाइन किया जा रहा है ताकि किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज व आधुनिक तकनीक मिल सकें। कुलपति ने बताया कि न केवल प्रदेश बल्कि अन्य प्रदेशों के किसानों को भी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किए जाने वाले मेले का इंतजार रहता है और वे भारी तादाद में इसमें हिस्सा लेते हैं। मेले के दौरान राज्य व केंद्र सरकार की ओर से कोरोना महामारी को लेकर जारी सभी हिदायतों का सख्ती से पालन किया जाएगा। किसानों को किसी प्रकार की मेले के दौरान असुविधा न हो इसके लिए कमेटियों का गठन किया गया है जो किसानों को जागरूक करने के साथ-साथ उनकी समस्याओं का समाधान भी करेंगी।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज बैठक के दौरान अधिकारियों को दिशा-निर्देश देते हुए।

इन फसलों व सब्जियों के मिलेंगे बीज

किसानों को मेले के दौरान रामधन सिंह सीड फार्म, फार्म निदेशालय व मेला ग्राउंड के प्रवेश द्वारा स्थित बीज बिक्री केंद्र पर बीजों की बिक्री की जाएगी। इस दौरान गेहूं की किस्मों डब्ल्यूएच-711, डब्ल्यूएच-1105, डब्ल्यूएच-1124, डब्ल्यूएच-1142, डब्ल्यूएच-1184, सी-306,पीबीडब्ल्यू-725, एचडी-2967, एचडी-3086,एचडी-3226,डीबीडब्ल्यू-303,डीबीडब्ल्यू-187 का बीज उपलब्ध है। जौ की किस्मों बीएच-393, बीएच-946 और सरसों की किस्मों आरएच-30, आरएच-725, आरएच-749, आरएच-761 और आरएच-406 का बीज उपलब्ध रहेगा। चने की किस्मों एचसी-1, एचसी-5, एचसी-7, सीएसजे-515 और सीएनजी-1581, बरसीम का एचबी-1, मास्कवी, एचबी-2 और जई का एचजे-8 व कैंट उपलब्ध होगा। सब्ज्यिों में गाजर, मूली, टमाटर, पालक, बैंगन, मटर, मेथी, धनिया, प्याज, शलजम का बीज उपलब्ध रहेगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	06.09.2021	02	03-04

मेले में किसानों को उपलब्ध करवाए जाएंगे फसलों की उन्नत किस्मों के बीज : कुलपति

हिसार/06 सितंबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो साल बाद आयोजित होने वाले ऑफलाईन कृषि मेला (रबी) के दौरान किसानों को विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों के बीज उपलब्ध करवाए जाएंगे। मेले में बिक्री के लिए विश्वविद्यालय के पास विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों का करीब 9000 क्विंटल बीज उपलब्ध है जो किसानों को मुहैया करवाया जाएगा। इसके अलावा विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई सब्जियों के बीज भी उपलब्ध करवाए जाएंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने मेले के सफल आयोजन के लिए अधिकारियों की बैठक आयोजित कर दिशा-निर्देश दिए। किसानों के हित के लिए उनकी मांग पर विश्वविद्यालय द्वारा दो वर्ष बाद कृषि मेले का आयोजन परम्परागत तरीके से ऑफलाईन किया जा रहा है ताकि किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज व आधुनिक तकनीक मिल सकें। कुलपति ने बताया कि न केवल प्रदेश बल्कि अन्य प्रदेशों के किसानों को भी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किए जाने वाले मेले का इंतजार रहता है और वे भारी तादाद में इसमें हिस्सा लेते हैं। किसान मेले को सफल बनाने के लिए विश्वविद्यालय की ओर से तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है और कमेटियों का गठन कर दिया गया है। मेले के दौरान विश्वविद्यालय के लगभग सभी महाविद्यालयों की ओर से प्रदर्शनी लगाई जाएंगी और विभिन्न फसलों की विकसित किस्मों और तकनीकों की जानकारी दी जाएगी। साथ ही प्रश्नोत्तरी सत्र भी आयोजित किया जाएगा जिसमें किसान अपनी फसल संबंधी समस्याओं का समाधान हासिल कर सकेंगे। मेले के दौरान किसानों को विभिन्न फसलों व सब्जियों की उन्नत किस्मों के बीजों के अलावा फलदार पौधे भी बिक्री किए जाते हैं। किसानों की सुविधा के लिए मेला ग्राउंड में ही फलदार पौधों की ट्राली खड़ी की जाएगी। इस बार मेले में अमरूद, बेरी, आंवला, करोंदा, अंगूर, आड़ू व अनार के पौधे दिए जाएंगे।